HINDUSTAN TIMES, Delhi, 21.12.2024
Page No. 16, Size:(19.62)cms X (16.19)cms.

CISF lifts running trophy at the 29th NHRC debate competition

The National Human Rights Commission (NHRC), India Acting Chairperson, Vijaya Bharathi Sayani appreciated the Central Armed Police Forces (CAPF) saying that they are among the first responders to natural disasters, providing aid, rescuing civilians and ensuring that basic human rights, such as access to food, shelter and medical care are provided during emergencies. Their involvement in rescue operations in natural calamities highlights their commitment to humanitarian service.

She was addressing the gathering as the Chief Guest of the final round of the 29th annual NHRC debate competition for Central Armed Police Forces organised in collaboration with the Border Security Force (BSF) in New Delhi. The topic was 'Custodial death is not acceptable in any situation'. Congratulating the winners and all the participants of the debate, she said that the participation of young officers demonstrated their deep understanding of the concept of human rights. The event was a massive success.

HINDUSTAN TIMES, Delhi, 21.12.2024
Page No. 16, Size:(9.91)cms X (15.86)cms.

NHRC begins Winter Internship Program

The National Human Rights Commission (NHRC), India began its 4-week long in-person Winter Internship - 2024, for post-graduate-level students. 80 students from different academic disciplines from various universities and colleges of the country are attending. They were shortlisted out of over 1,000 applicants.

Inaugurating the internship, NHRC, India Acting Chairperson, Vijaya Bharathi Sayani urged the interns to reflect on their role in shaping the future of human rights in India.

HINDUSTAN TIMES, Dehradun, 21.12.2024
Page No. 16, Size:(9.62)cms X (13.96)cms.

NHRC, India takes action against wrong blood transfusion

NHRC, India took suo moto cognisance of the media report that a 10-year-old child was transfused wrong blood type while undergoing treatment at the JK Lon Hospital of the Sawai Man Singh Medical College, Jaipur, Rajasthan. A 23-year-old patient lost his life at the SMS hospital, in Jaipur only a few months back. Two cases of negligence in blood transfusion at the same govt run medical facilities are indeed shocking and are a matter of concern for the Commission. Accordingly, notices have been issued.

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 21.12.2024
Page No. 9, Size:(9.25)cms X (29.09)cms.

एनएचआरसी अध्यक्ष पद के लिए नाम पर विचार होने का चंद्रचूड़ ने किया खंडन

नई दिल्ली (भाषा)। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की मीडिया में आई खबरें 'गलत' है।

देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश रहे चंद्रचूड़ ने कहा, 'यह सच नहीं है। फिलहाल मैं सेवानिवृत्त होने के बाद की जिंदगी का आनंद ले रहा हूं।' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से सेवानिवृत्त हुए थे। एनएचआरसी अध्यक्ष का पद उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के एक जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से रिक्त पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति ने एनएचआरसी के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मिश्रा ने जून, 2021 में नियुक्त होने के बाद एनएचआरसी के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। एनएचआरसी को नियंत्रित करने वाले कानून के अनुसार, एनएचआरसी के अध्यक्ष का चयन करने वाली समिति का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते है।

DAINIK BHASKAR, Delhi, 21.12.2024
Page No. 13, Size:(7.40)cms X (5.13)cms.

एनएचआरसी प्रमुख बनाने की खबर पर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ बोले- यह सही नहीं

नई दिल्ली | पूर्व सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों को 'झूठा' करार दिया, जिनमें यह दावा किया गया था कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें सीजेआई रहे। 10 नवंबर को इस पद से वह सेवानिवृत्त हो गए थे।

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 21.12.2024
Page No. 5, Size:(6.14)cms X (8.32)cms.

पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ ने एनएचआरसी प्रमुख बनाने का दावा किया खारिज

- कहा, अभी मैं अपनी सेवानिवृत्त जिंदगी का आनंद ले रहा हूं
- ए.के मिश्रा के कार्यकाल समाप्ति के बाद से आयोग अध्यक्ष का पद रिक्त है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई.चंद्रचूड़ ने मीडिया में आई उन खबरों को 'झूठा' करार दिया, जिनमें यह दावा किया गया था कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें सीजेआइ रहे। 10 नवंबर को इस पद से वह सेवानिवृत्त हो गए थे।

डी.वाई.चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा, 'यह (एनएचआरसी के अध्यक्ष बनाने पर विचार) झूठ है। अभी मैं अपनी सेवानिवृत्त जिंदगी का आनंद ले रहा हूं।' सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा का एनएचआरसी के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल एक जून को समाप्त हो गया था। तबसे यह पद खाली पड़ा है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अध्यक्षता में 18 दिसंबर को एक उच्च स्तरीय समिति ने एनएचआरसी के नए अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में

डी.वाई.चंद्रचूड़। फाइल

इस बैठक में भाग लिया था। सेवानिवृत्त जज अरुण कुमार मिश्रा ने जून 2021 में एनएचआरसी प्रमुख का कार्यभार संभाला था। जस्टिस मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

I NEXT, Meerut, 21.12.2024
Page No. 6, Size:(2.58)cms X (5.40)cms.

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने दावा किया खारिज

newsroom@inext.co.in

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई.चंद्रचूड़ ने मीडिया में आई उन खबरों को झूठा करार दिया, जिनमें यह दावा किया गया था कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है. जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें सीजेआई रहे. 10 नवंबर को इस पद से वह सेवानिवृत्त हो गए थे.

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा, यह झूठ है.

JANSATTA, Delhi, 21.12.2024
Page No. 2, Size:(3.77)cms X (6.28)cms.

एनएचआरसी अध्यक्ष पद का मामला

मेरे नाम को लेकर की जा रही चर्चा गलत : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजंसी)।

भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की मीडिया में आई खबरें 'गलत' हैं। चंद्रचूड़ ने कहा, यह सच नहीं है। फिलहाल मैं सेवानिवृत्त होने के बाद की जिंदगी का आनंद ले रहा हूं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से सेवानिवृत्त हुए थे। एनएचआरसी अध्यक्ष का पद उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के एक जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से रिक्त पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति ने एनएचआरसी के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे।

जनसत्ता Sat, 21 Decem
https://epape

DY Chandrachud Being Considered For Rights Panel Chief Post? He Says...

https://www.ndtv.com/india-news/nhrc-national-human-rights-commission-rumour-ex-chief-justice-dy-chandrachud-on-being-considered-for-rights-panel-chief-post-7295196

The National Human Rights Commission has been without a full-time chairperson since June 1.

India NewsReported by Ashish BhargavaUpdated: December 20, 2024 7:56 pm IST

New Delhi:

Dismissing reports of him being considered for the post of the chairperson of the National Human Rights Commission, former Chief Justice of India DY Chandrachud has said rumours are being spread and that he is enjoying his retired life as a private citizen.

The National Human Rights Commission (NHRC) has been without a full-time chairperson since former Supreme Court judge Justice Arun Kumar Mishra finished his tenure on June 1. A high-level committee led by Prime Minister Narendra Modi and also comprising Home Minister Amit Shah and the Leaders of the Opposition in the Lok Sabha and Rajya Sabha, Rahul Gandhi and Mallikarjun Kharge, had met on Wednesday to consider names for the new chief of the panel.

When Justice Chandrachud was asked about reports claiming that he was in contention for the post, he told NDTV: "It is just a rumour. Nobody has spoken to me about this and I am loving my life as a private citizen. I am enjoying my retired life."

Justice Chandrachud, who was the 50th Chief Justice of India, demitted office on November 10. During his two-year tenure as the Chief Justice, he headed the Constitution bench which upheld the scrapping of Article 370, which gave special status to Jammu and Kashmir, and also led the bench which ordered the dismantling of the electoral bonds scheme.

The NHRC, which is headed by a former Chief Justice of India or a retired Supreme Court judge, currently has one of its members, Vijaya Bharathi Sayani, serving as the acting chairperson.

Former Chief Justice HL Dattu was appointed the chairperson of the panel in 2016 and former Chief Justice KG Balakrishnan also served as its head between 2010 and 2016.

DY Chandrachud To Be Appointed Human Rights Panel Chairperson? Here's What Ex-CJI Said

https://news.abplive.com/news/india/dy-chandrachud-to-be-appointed-human-rights-panel-chairperson-here-s-what-ex-cji-said-1738828

Recently, Prime Minister Narendra Modi had led a high-level committee comprising of Amit Shah, Rahul Gandhi, and Mallikarjun Kharge to consider names for the new chief of the NHRC.

By : ABP News Bureau | Updated at : 20 Dec 2024 09:12 PM (IST)

The National Human Rights Commission has been without a full-time chairperson since former Supreme Court judge Justice Arun Kumar Mishra's tenure finished on June 1 this year. Recently, Prime Minister Narendra Modi had led a high-level committee comprising of Union Home Minister Amit Shah and Leader of Opposition in Lok Sabha and Rajya Sabha Rahul Gandhi and Mallikarjun Kharge.

Since this meeting on Wednesday when the leaders had met to consider names for the new chief of the NHRC, reports claiming that former Chief Justice of India DY Chandrachud was in contention were doing rounds.

However, Justice Chandrachud has dismissed reports of him being considered for the post of the National Human Rights Commission chairperson, saying that he is enjoying his retired life as a private person and that these are just rumours.

"It is just a rumour. Nobody has spoken to me about this and I am loving my life as a private citizen. I am enjoying my retired life," he told NDTV.

NHRC is headed by either a former Chief Justice of India or a retired judge of the Supreme Court. Since the chairperson's post is vacant, Supreme Court judge Vijaya Bharathi Sayani is serving as the commission's acting chairperson.

Previously, the post was held by former Chief Justice HL Dattu, who was appointed in 2016. Former CJI KG Balakrishnan also served as the chairperson between 2010 and 2016.

Justice Chandrachud's two-year tenure as the Chief Justice of India ended this year in November as a result of which he demitted office on November 10. During his stint as the 50th CJI, Chandrachud passed significant judgements as he headed the Constitution bench which scrapped Article 370, giving special status to Jammu and Kashmir. Other landmark judgements made by him include the Ayodhya verdict in the Ram Janmabhoomi-Babri Masjid land dispute in 2019, decrminalising homo-sexuality, striking down the electoral bonds, and banning caste-based discrimination among others.

DY Chandrachud: 'यह झूठ है...', पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने NHRC प्रमुख बनाए जाने के दावों को किया खारिज

https://www.amarujala.com/india-news/untrue-ex-cji-d-y-chandrachud-on-reports-he-was-being-considered-for-nhrc-chairperson-2024-12-20

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली। Published by: निर्मल कांत Updated Fri, 20 Dec 2024 04:42 PM IST

DY Chandrachud: पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने उन खबरों को खारिज किया है, जिनमें दावा किया जा रहा है कि एएचआरसी प्रमुख के लिए उनके नाम पर विचार किया जा रहा है। चंद्रचूड़ ने कहा, यह झूठ है। मैं अभी अपनी सेवानिवृत्त जिंदगी का आनंद ले रहा हूं।सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई.चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों को 'झूठा' करार दिया, जिनमें यह दावा किया गया था कि उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें सीजेआई रहे। 10 नवंबर को इस पद से वह सेवानिवृत्त हो गए थे। चंद्रचूड़ ने कहा, 'यह (एनएचआरसी के अध्यक्ष बनाने पर विचार) झूठ है। अभी मैं अपनी सेवानिवृत्त जिंदगी का आनंद ले रहा हूं।' सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज अरुण कुमार मिश्रा का एनएचआरसी के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल एक जून को समाप्त हो गया था। तबसे यह पद खाली पड़ा है।

पीएम मोदी ने बुलाई थी बैठक

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अध्यक्षता में 18 दिसंबर को एक उच्च स्तरीय समिति ने एनएचआरसी के नए अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में इस बैठक में भाग लिया था।

विजया भारती एनएचआरसी की कार्यवाहक अध्यक्ष

सेवानिवृत्त जज अरुण कुमार मिश्रा ने जून 2021 में एनएचआरसी प्रमुख का कार्यभार संभाला था। एनएचआरसी के अध्यक्ष के चयन के लिए गठित चयन समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं, जबकि इसमें लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा के उप सभापति भी सदस्य होते हैं। जस्टिस मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

एनएचआरसी अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति एक चयन समिति की सिफारिश पर करते हैं। इससे पहले पूर्व सीजेआई एल.एच. दत्तू और के.जी.बालकृष्णन एनएचआरसी के अध्यक्ष रह चुके हैं।

Former Chief Justice DY Chandrachud Denies news of Appointment as NHRC Chairperson

By Law Trend December 20, 2024 1:44 PM

https://lawtrend.in/former-chief-justice-dy-chandrachud-denies-news-of-appointment-as-nhrc-chairperson/

In recent news, former Chief Justice of India, DY Chandrachud, has refuted claims regarding his new role as the chairperson of the National Human Rights Commission (NHRC). Speaking exclusively to Boom Live, Justice Chandrachud dismissed the rumors as “untrue,” asserting that he has not accepted any post-retirement appointments.

Justice Chandrachud, who recently stepped down from his judicial responsibilities, expressed his contentment with life away from public duties. “I am enjoying life as a private citizen,” he stated, indicating his preference for a quieter life following his prominent career in the judiciary.

This clarification comes after speculations swirled about his next potential appointment. The rumors were promptly addressed, ensuring that the public received accurate information directly from the former Justice himself.

Justice DY Chandrachud Clarifies NHRC Chairman Appointment Rumors

https://www.ap7am.com/en/92013/justice-dy-chandrachud-clarifies-nhrc-chairman-appointment-rumors

20-12-2024 Fri 18:44 | National | Ap7am Desk

Justice DY Chandrachud, former Chief Justice of India, has dismissed reports suggesting that he is being considered for the position of Chairman of the National Human Rights Commission (NHRC). Responding to recent media speculation, he clarified that there is no truth to these claims.

Justice Chandrachud emphasized that he has no intention of accepting any new role at the moment. “I am currently enjoying my retirement peacefully with my family,” he stated, urging the public not to believe such reports.

The NHRC Chairman's position has been vacant since June 1, following the retirement of Justice Arun Kumar Mishra earlier this year. In light of this vacancy, rumors emerged that the central government was considering Justice Chandrachud for the role. However, his categorical denial has put an end to such speculations.

NHRC Chairperson Rumors Dismissed: Former CJI Chandrachud Clarifies

https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3201815-nhrc-chairperson-rumors-dismissed-former-cji-chandrachud-clarifies

https://www.devdiscourse.com/article/Newsalert/3201790-untrue-says-ex-cji-d-y-chandrachud-on-media-reports-that-he-was-being-considered-for-nhrc-chairperson-post

Former Chief Justice of India, D Y Chandrachud, refuted reports suggesting he was being considered for the chairperson role at the National Human Rights Commission. The position has remained unfilled since June and a committee led by the Prime Minister recently convened to appoint a successor.

Devdiscourse News Desk | New Delhi | Updated: 20-12-2024 17:00 IST | Created: 20-12-2024 15:37 IST

Former Chief Justice of India, D Y Chandrachud, has dismissed reports that he is being considered for the chairperson post at the National Human Rights Commission (NHRC) as baseless.

"This is untrue. Presently, I am enjoying my retired life," Chandrachud told PTI, denoting his lack of intention to pursue the role left vacant since June 1 after the tenure of Justice (retd) Arun Kumar Mishra ended.

The selection committee, led by Prime Minister Narendra Modi, convened on December 18 to discuss the appointment of the next NHRC chairperson. Opposition leaders Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi were in attendance at the meeting. The law mandates that the committee includes prominent political figures to ensure a balanced decision.

NHRC takes suo moto cognizance of death of young EY employee

https://www.thenewsminute.com/news/nhrc-takes-suo-moto-cognizance-of-death-of-young-ey-employee-2

The National Human Rights Commission (NHRC) has taken suo motu cognizance of the death of a 26-year-old woman working at audit firm Ernst and Young (EY) in Pune allegedly due to excessive workload.

20 Dec 2024, 2:52 pm

The National Human Rights Commission (NHRC) has taken suo motu cognizance of the death of a 26-year-old woman working at audit firm Ernst and Young (EY) in Pune allegedly due to excessive workload.

The Commission said that the contents of the media reports, if true, raise serious issues regarding challenges faced by young citizens at work, suffering from mental stress, anxiety, and lack of sleep, adversely affecting their physical and mental health while chasing impractical targets and timelines resulting in grave violations of their human rights.

“It is the prime duty of every employer to provide a safe, secure and positive environment to its employees. They must ensure that everyone working with them is treated with dignity and fairness,” the NHRC said.

It issued a notice to the Union Ministry of Labour and Employment, calling for a detailed report within four weeks and sought to know the steps being taken and proposed to be taken to ensure such incidents do not recur.

The Union Labour Ministry on Thursday ordered a probe after the deceased woman’s mother blamed the company for overwork.

In a heart-wrenching letter to EY India Chairman Rajiv Memani, deceased Anna Sebastian Perayil’s mother claimed that her daughter, 26, passed away on July 21 after being burdened with a "backbreaking workload" and "work stress".

Anna worked for four months at the accounting firm.

Union Minister of State for Labour and Employment Shobha Karandlaje said in a post on X that the Labour Ministry has officially taken up the complaint to ensure justice.

Anna’s mother in her letter to the Chairman said EY’s work culture "seems to glorify overwork while neglecting the very human being behind the role". She claimed that Anna would return to her room “utterly exhausted” but would again be “bombarded” with work messages.

The mother said that while Anna was “a fighter to the core”, “the overwhelming pressure proved too much even for her".

Meanwhile, Sibi Joseph, father of the young Anna, said they have no plans to take legal action against the company. “My wife wrote the letter to the Chairman to ensure that even though our daughter is gone, such a thing should not happen to any other person. We are not going to take any legal steps against the company also," said Joseph.

NHRC ने कंधमाल में नाबालिग लड़की से बलात्कार पर एटीआर मांगी

https://jantaserishta.com/local/odisha/nhrc-seeks-atr-on-rape-of-minor-girl-in-kandhamal-3713328

Kiran 20 Dec 2024 10:08 AM

Kendrapara केंद्रपाड़ा: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 1 सितंबर को एक नाबालिग लड़की के साथ हुए बलात्कार के मामले में कंधमाल के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) से कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। एनएचआरसी ने बुधवार को कंधमाल के डीएम और एसपी को पीड़िता की स्वास्थ्य स्थिति रिपोर्ट, पुलिस जांच की स्थिति और पीड़ित परिवार को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) की जानकारी देने का निर्देश दिया। मानवाधिकार कार्यकर्ता सागर जेना द्वारा दायर शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शीर्ष मानवाधिकार आयोग ने निर्देश जारी किए। याचिकाकर्ता ने आयोग के समक्ष आरोप लगाया कि कंधमाल जिले में 1 सितंबर को एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया गया,

जब वह अपने कपड़ों के लिए कुछ सामान खरीदने बाजार गई थी। आरोपी, जो कथित तौर पर पीड़िता का दूर का रिश्तेदार है, पीड़िता को घसीटकर पास की झाड़ियों में ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया गया। आरोपी ने पीड़िता को किसी को भी मामले की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता ने आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एनएचआरसी ने कंधमाल के डीएम और एसपी को निर्देश जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले पर रिपोर्ट मांगी है, जिसमें पीड़िता की स्वास्थ्य स्थिति,

पुलिस जांच की स्थिति और पीड़ित परिवार को दिए गए मुआवजे की जानकारी शामिल है। शीर्ष अधिकार निकाय ने कहा कि यदि रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर प्राप्त नहीं होती है, तो वह मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 13 के तहत बलपूर्वक प्रक्रिया लागू करने के लिए बाध्य होगा, जिसमें रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत उपस्थिति की मांग की जाएगी।

NHRC प्रमुख के लिए कौन? क्या पूर्व CJI चंद्रचूड़ को मिलेगी जिम्मेदारी?

Dheerendra Gopal | Published : Dec 20 2024, 08:17 PM IST

https://hindi.asianetnews.com/national-news/who-will-be-national-human-rights-commission-new-chairperson-know-what-retired-cji-dy-chandrachud-said/articleshow-1iqeuk0

सार

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद के लिए पूर्व CJI डीवाई चंद्रचूड़ के नाम की चर्चा थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। 1 जून से यह पद खाली है और कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में विजया भारती सयानी कार्यरत हैं।

Who will be NHRC new Chief: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद पहली जून से खाली है। देश में मानवाधिकार के मामलों की सुनवाई करने वाली सबसे बड़ी संस्था के मुखिया की जिम्मेदारी कई महीनों से कार्यवाहक के हवाले है। गुड न्यूज यह कि जल्द ही इस पद पर नियुक्ति हो सकती है। बीते दिनों एनएचआरसी चीफ के चयन के लिए पीएम की अगुवाई वाले पैनल ने मंथन किया। कयास लगाया जा रहा कि भारत के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को यह अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। लेकिन पूर्व सीजेआई ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है।

क्या कहा पूर्व सीजेआई ने ?

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की रिपोर्ट सही नहीं है, यह फेक सूचना चलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी वह अपनी रिटायरमेंट एन्जॉय कर रहे हैं। देश के 50वें सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ बीते 10 नवम्बर को रिटायर हुए थे। उनकी जगह जस्टिस संजीव खन्ना को सीजेआई नियुक्त किया गया है। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह असत्य है। वर्तमान में मैं अपने सेवानिवृत्त जीवन का आनंद ले रहा हूं।

1 जून से एनएचआरसी चीफ का पद खाली

एनएचआरसी यानी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद से पूर्व जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा 1 जून 2024 को अपना कार्यकाल पूरा कर लिए थे। उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद एनएचआरसी अध्यक्ष का पद खाली है। हालांकि, कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी कार्यभार संभाल रही हैं। जस्टिस (सेवानिवृत्त) मिश्रा को जून 2021 में एनएचआरसी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

18 दिसंबर को हुई थी पैनल की मीटिंग

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नए अध्यक्ष का चयन करने के लिए बीते 18 अगस्त को चयन समिति ने मीटिंग की थी। मीटिंग, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में की गई। इसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। बताया जा रहा है कि नए अध्यक्ष के लिए अन्य नामों के अलावा पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नाम पर भी विचार किया गया। हालांकि, आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं हो सकी है। दरअसल, पूर्व सीजेआई एच एल दत्तू और के जी बालकृष्णन अतीत में मानवाधिकार आयोग के मुखिया का पद संभाल चुके हैं।

कौन-कौन होता है सेलेक्शन पैनल में?

एनएचआरसी नियमों के अनुसार, एनएचआरसी प्रेसिडेंट की सेलेक्शन कमेटी की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं जबकि लोकसभा स्पीकर, गृह मंत्री, लोकसभा का नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा में विपक्ष के नेता, राज्यसभा के उपसभापति इसके सदस्य होते हैं।

MSN, Online, 21.12.2024
Page No. 0, Size:(0)cms X (0)cms.

"Untrue": Ex-CJI D Y Chandrachud on reports he was being considered for NHRC chairperson

https://www.msn.com/en-in/news/India/untrue-ex-cji-d-y-chandrachud-on-reports-he-was-being-considered-for-nhrc-chairperson/ar-AA1wdsJG

Story by PTI • 11h • 2 min read

New Delhi, Dec 20 (PTI) Former chief justice of India D Y Chandrachud on Friday said media reports of him being considered for the National Human Rights Commission chairperson's post were "untrue".

"This is untrue. Presently, I am enjoying my retired life," country's 50th CJI, who demitted office on November 10, told PTI.

The post of NHRC chairperson is lying vacant since former Supreme Court judge Justice (retd) Arun Kumar Mishra completed his tenure on June 1.

On December 18, a high-powered committee led by Prime Minister Narendra Modi held a meeting to select the next chairperson of NHRC, sources had said.

Congress president Mallikarjun Kharge and party leader Rahul Gandhi attended the meeting as leaders of the opposition in Rajya Sabha and Lok Sabha respectively, they had said.

Justice (retd) Mishra served as the eighth chairperson of the rights panel after being appointed in June, 2021.

According to the law governing NHRC, while the committee which selects the NHRC chief is headed by the prime minister, it has the Lok Sabha speaker, home minister, leaders of opposition in Lok Sabha and Rajya Sabha besides deputy chairperson of Rajya Sabha as its members.

Vijaya Bharathi Sayani, a member of the NHRC, became its acting chairperson after Justice Mishra retired.

A former chief justice of India or a retired judge of the top court are appointed as NHRC chairperson by the president on the recommendation of the selection committee.

Former CJIs H L Dattu and K G Balakrishnan have been at the helm of the rights body in the past. PTI SJK ABA AMK

“Untrue”: Ex-CJI D Y Chandrachud on reports he was being considered for NHRC chairperson

https://globalkashmir.net/untrue-ex-cji-d-y-chandrachud-on-reports-he-was-being-considered-for-nhrc-chairperson/

by News Desk December 20, 2024 Reading Time: 1 min read

NEW DELHI: Former chief justice of India D Y Chandrachud on Friday said media reports of him being considered for the National Human Rights Commission chairperson’s post were “untrue”.

“This is untrue. Presently, I am enjoying my retired life,” country’s 50th CJI, who demitted office on November 10, told PTI.

The post of NHRC chairperson is lying vacant since former Supreme Court judge Justice (retd) Arun Kumar Mishra completed his tenure on June 1.

अधिकार पैनल के प्रमुख पद के लिए डीवाई चंद्रचूड़ के नाम पर विचार? वह कहता है...

https://indianetworknews.com/%E0%A4%85%E0%A4%A7%E0%A4%95%E0%A4%B0-%E0%A4%AA%E0%A4%A8%E0%A4%B2-%E0%A4%95-%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%AE%E0%A4%96-%E0%A4%AA%E0%A4%A6-%E0%A4%95/news

ByMeagan Marie December 20, 2024

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि वह अपने सेवानिवृत्त जीवन का आनंद ले रहे हैं। (फ़ाइल)

नई दिल्ली:

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की खबरों को खारिज करते हुए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अफवाहें फैलाई जा रही हैं और वह एक निजी नागरिक के रूप में अपने सेवानिवृत्त जीवन का आनंद ले रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा का कार्यकाल 1 जून को समाप्त होने के बाद से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति और इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं। और लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने पैनल के नए प्रमुख के नामों पर विचार करने के लिए बुधवार को मुलाकात की थी।

जब न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया जिसमें दावा किया गया था कि वह इस पद के लिए दावेदार हैं, तो उन्होंने एनडीटीवी से कहा: "यह सिर्फ एक अफवाह है। किसी ने भी मुझसे इस बारे में बात नहीं की है और मैं एक निजी नागरिक के रूप में अपने जीवन से प्यार करता हूं। मैं अपने जीवन का आनंद ले रहा हूं।" सेवानिवृत्त जीवन।"

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, जो भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश थे, ने 10 नवंबर को पद छोड़ दिया। मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने संविधान पीठ का नेतृत्व किया, जिसने अनुच्छेद 370 को खत्म करने को बरकरार रखा, जिसने जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा दिया। , और उस पीठ का भी नेतृत्व किया जिसने चुनावी बांड योजना को ख़त्म करने का आदेश दिया था।

एनएचआरसी, जिसका नेतृत्व भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश करते हैं, वर्तमान में इसके सदस्यों में से एक, विजया भारती सयानी, कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू को 2016 में पैनल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन ने भी 2010 और 2016 के बीच इसके प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

एनएचआरसी में सुबल को सिलिकोसिस का केस

https://www.prabhatkhabar.com/state/west-bengal/asansol/subals-silicosis-case-in-nhrc#:~:text=%E0%A4%9C%E0%A4%BF%E0%A4%B2%E0%A4%BE%E0%A4%A7%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A5%80%20%E0%A4%95%E0%A5%8B%20%E0%A4%AD%E0%A5%87%E0%A4%9C%E0%A5%87%20%E0%A4%97%E0%A4%AF%E0%A5%87%20%E0%A4%87%E0%A4%B8,%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AF%20%E0%A4%95%E0%A5%80%20%E0%A4%AE%E0%A5%8C%E0%A4%A4%20%E0%A4%B9%E0%A5%8B%20%E0%A4%97%E0%A4%AF%E0%A5%80.

उनमें से एक नाम सालानपुर प्रखंड के बराभुईं गांव के निवासी सुबल राय का है, जो पिछले एक साल से इस रोग से पीड़ित हैं और विभिन्न अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं.

By Prabhat Khabar News Desk

| December 20, 2024 11:19 PM

आसनसोल. सालानपुर प्रखंड क्षेत्र में रैमिंगमास इंडस्ट्री (क्वार्ज पत्थर को डस्ट करने का कारखाना) में काम करनेवाले लोग सिलिकोसिस रोग से आक्रांत हो रहे हैं, जिससे इन उद्योगों में काम करनेवाले एक के बाद एक श्रमिकों की मौत हो रही है. इसे लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में मामला दर्ज है, जिस पर आयोग ने पश्चिम बर्दवान के जिलाधिकारी(डीएम) से आठ हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है. जिस सुबल राय को पीड़ित बता कर यह मामला दर्ज हुआ है, उनकी मौत शुक्रवार को हो गयी. उन्हें सिलिकोसिस रोग से आक्रांत माना गया है, अपोलो हॉस्पिटल चेन्नई की एक रिपोर्ट में इसका जिक्र भी है. इसे लेकर इलाके में हलचल है.

अमरनाथ की शिकायत पर **एनएचआरसी** में मामला दर्ज ः सालानपुर प्रखंड के रामडी इलाके के निवासी व पेशे से निजी शिक्षक अमरनाथ महतो ने एनएचआरसी में 29 अक्तूबर 2024 को शिकायत की थी. जिसमें कहा गया था कि सालानपुर प्रखंड के देंदुआ इलाके में सिलिकॉन मेटालाएड उत्सर्जित करने वाली सभी कारखाने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की किसी भी मानक का पालन किये बिना, मनमाने ढंग से सिलिकॉन उत्सर्जित कर रही है. जिसके कारण कई श्रमिक सिलिकोसिस रोग से मर रहे हैं. उनमें से एक नाम सालानपुर प्रखंड के बराभुईं गांव के निवासी सुबल राय का है, जो पिछले एक साल से इस रोग से पीड़ित हैं और विभिन्न अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं. वह एक भारतीय नागरिक हैं और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है. जिला के कार्यकारी प्रमुख होने के नाते आप यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को सिलिकोसिस होने का खतरा न्यूनतम हो. इसके लिए पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कारखाना चलाने की अनुमति देंगे. जिलाधिकारी को भेजे गये इस पत्र को ही एनएचआरसी में भेजा गया. जिसके आधार पर आयोग में मामला दर्ज हुआ.

एनएचआरसी के लॉ डिवीजन ने जिलाधकारी को 23 अक्तूबर 2024 को पत्र भेजा और इस मामले में आठ सप्ताह के अंदर रिपोर्ट मांगा है. आठ सप्ताह समाप्त होने के अंदर ही शुक्रवार को 27 वर्षीय सुबल राय की मौत हो गयी.

अमरनाथ का दावा, सुबल राय को सिलिकोसिस होने के हैं पुख्ता प्रमाण

अमरनाथ ने बताया कि सुबल राय पिछले एक साल से सिलिकोसिस बीमारी से आक्रांत है. यहां उसका टीबी का इलाज किया जा रहा था. सरकारी अस्पताल से लेकर निजी अस्पताल में वह लंबे समय तक दाखिल थे. उसे ऑक्सीजन के सपोर्ट पर रखा गया था. घरवालों ने उसे अपोलो अस्पताल चेन्नई ले गये. वहां जांच रिपोर्ट के बाद सिलिकोसिस कि संभावना जतायी गयी थी. इस रोग से निधन पर राज्य सरकार से मोटी रकम मुआवजा के तौर पर मिलती है. इस रोग से जुड़े सारे कागजात देखने के बाद मेडिकल बोर्ड यह निर्णय लेता है कि व्यक्ति की मौत कैसे हुई है? यदि सिलिकोसिस को मौत का कारण माना जाता है, तभी मुआवजे की राशि मिलेगी. अमरनाथ ने कहा कि सीएमओएच के माध्यम से मेडिकल बोर्ड को कागजात भेजे गये हैं.

क्या डीवाई चंद्रचूड़ बनेंगे NHRC के नए अध्यक्ष? पूर्व CJI ने खुद बताई सच्चाई

https://www.jagran.com/news/national-will-dy-chandrachud-be-the-new-nhrc-chairman-former-cji-himself-told-the-truth-23852567.html

DY Chandrachud हाल ही में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को एनएचआरसी का अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि सेवानिवृत्त जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा के कार्यकाल पूरा करने के बाद से 1 जून से यह पद खाली पड़ा है। अब डीवाई चंद्रचूड़ ने खुद इन खबरों की सच्चाई बताई है।

By AgencyEdited By: Sachin PandeyUpdated: Fri, 20 Dec 2024 04:53 PM (IST)

पीटीआई, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने एनएचआरसी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की खबरों झूठ बताया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की मीडिया रिपोर्टें झूठी हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि डीवाई चंद्रचूड़ को केंद्र सरकार एनएचआरसी का नया अध्यक्ष बनाने जा रही है। इस पर उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'यह झूठ है। फिलहाल मैं अपने रिटायर्ड जीवन का आनंद ले रहा हूं।'

1 जून से रिक्त है पद

बता दें कि एनएचआरसी के अध्यक्ष का पद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के 1 जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से खाली पड़ा है। सूत्रों ने एजेंसी को बताया था कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने एनएचआरसी के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी।

खरगे और राहुल भी बैठक में हुए थे शामिल

उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी क्रमशः राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बैठक में शामिल हुए थे। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मिश्रा ने जून, 2021 में नियुक्त होने के बाद अधिकार पैनल के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

एनएचआरसी को नियंत्रित करने वाले कानून के अनुसार, एनएचआरसी प्रमुख का चयन करने वाली समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं, लेकिन इसमें लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा के उपसभापति इसके सदस्य होते हैं।

विजय सयानी हैं कार्यवाहक अध्यक्ष

न्यायमूर्ति मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद विजय भारती सयानी एनएचआरसी के कार्यवाहक अध्यक्ष बने। चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। पूर्व सीजेआई एच एल दत्तू और के जी बालाकृष्णन पहले भी इस अधिकार निकाय के अध्यक्ष रह चुके हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एनएचआरसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की खबरों का खंडन किया

https://lawtrend.in/former-cji-dy-chandrachud-denies-nhrc-chairperson-appointment-rumors/

By Law Trend December 20, 2024 1:45 PM

हाल ही में आई खबरों में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष के रूप में अपनी नई भूमिका के बारे में दावों का खंडन किया है। बूम लाइव से विशेष रूप से बात करते हुए, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने अफवाहों को "असत्य" बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद कोई नियुक्ति स्वीकार नहीं की है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, जिन्होंने हाल ही में अपनी न्यायिक जिम्मेदारियों से इस्तीफा दिया, ने सार्वजनिक कर्तव्यों से दूर जीवन के साथ अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा, "मैं एक निजी नागरिक के रूप में जीवन का आनंद ले रहा हूं," उन्होंने न्यायपालिका में अपने प्रमुख कैरियर के बाद एक शांत जीवन के लिए अपनी प्राथमिकता का संकेत दिया।यह स्पष्टीकरण उनकी अगली संभावित नियुक्ति के बारे में अटकलों के बाद आया है।

अफवाहों को तुरंत संबोधित किया गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि जनता को सीधे पूर्व न्यायाधीश से ही सटीक जानकारी मिले।

'बस रिटायरमेंट के बाद की लाइफ एन्जॉय कर रहा हूं, कोई और काम...', NHRC अध्यक्ष पद पर अपॉइनमेंट की चर्चाओं के बीच बोले पूर्व CJI चंद्रचूड़

https://www.abplive.com/news/india/former-cji-dy-chandrachud-on-nhrc-president-post-says-enjoying-retirement-life-2846470

एनएचआरसी अध्यक्ष का पद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के एक जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से खाली पड़ा है.

By : एबीपी लाइव डेस्क | Edited By: Neelam Rajput | Updated at : 20 Dec 2024 06:09 PM (IST)

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई चंद्रचूड़. ने शुक्रवार (20 दिसंबर, 2024) को कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की मीडिया में आई खबरें गलत हैं.

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे डी. वाई. चंद्रचूड़ ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'यह सच नहीं है. फिलहाल मैं सेवानिवृत्त होने के बाद की जिंदगी का आनंद ले रहा हूं.' पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हुए थे.

एनएचआरसी अध्यक्ष का पद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के एक जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से रिक्त पड़ा है. सूत्रों ने बताया कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति ने एनएचआरसी के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी. इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे.

जस्टिस (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा ने जून, 2021 में नियुक्त होने के बाद एनएचआरसी के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था. एनएचआरसी को नियंत्रित करने वाले कानून के अनुसार, एनएचआरसी के अध्यक्ष का चयन करने वाली समिति का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं. इस समिति में लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा राज्यसभा के उपसभापति भी सदस्य होते हैं.

जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा के रिटायर होने के बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी इसकी कार्यवाहक अध्यक्ष बनीं. चयन समिति की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है. पूर्व मुख्य न्यायाधीश एच एल दत्तू और के जी बालाकृष्णन अतीत में मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं.

रिटायरमेंट का आनंद ले रहा हूं... NHRC चेयरमैन बनाए जाने पर बोले चंद्रचूड़, अटकलों को कि‍या खारि‍ज

https://hindi.news18.com/news/nation/former-cji-dy-chandrachud-denied-reports-being-considered-nhrc-chairperson-8909470.html

- **Last Updated :** December 21, 2024, 01:44 IST

- **नई दि‍ल्ली.** देश के पूर्व चीफ जस्टि‍स डीवाई चंद्रचूड़ क्या नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (NHRC) के चेयरमैन बनने वाले हैं? इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, अब खुद चंद्रचूड़ ने इसका जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि‍ एनएचआरसी चेयरमैन पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की खबरें गलत' हैं.
- देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश रहे चंद्रचूड़ ने कहा, "यह सच नहीं है. फिलहाल मैं रिटायरमेंट होने के बाद की जिंदगी का आनंद ले रहा हूं. जस्टि‍स चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हो गए थे. एनएचआरसी अध्यक्ष का पद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा के एक जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से रिक्त पड़ा है.

- **पीएम ने बुलाई थी बैठक**
  सूत्रों ने बताया कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति ने एनएचआरसी के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी. इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे. चयन समिति की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश या शीर्ष न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है. जस्टि‍स मिश्रा ने जून, 2021 में नियुक्त होने के बाद एनएचआरसी के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया.
- **कौन करता है चयन**
  एनएचआरसी के अध्यक्ष का चयन करने वाली समिति का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं. इस समिति में लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा राज्यसभा के उपसभापति भी सदस्य होते हैं. जस्टि‍स मिश्रा के रिटायर होने के बाद एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी इसकी कार्यवाहक अध्यक्ष बनीं. पूर्व प्रधान न्यायाधीश एच एल दत्तू और के जी बालाकृष्णन अतीत में मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं.

रिटायरमेंट का आनंद ले रहा हूं... NHRC चेयरमैन बनाए जाने पर बोले चंद्रचूड़, अटकलों को किया खारिज

https://headtopics.com/in/23522367233523697054-63789921

https://www.jansatta.com/national/chandrachud-to-be-appointed-human-rights-panel-chairperson-here-what-ex-cji-said/3741302/

21-12-2024 01:55:00

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एनएचआरसी चेयरमैन बनाए जाने की अटकलों को खारिज किया है. उन्होंने कहा कि अभी मैं रिटायरमेंट के बाद की लाइफ को एंज्वॉय कर रहा हूं.

नई दिल्ली. देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ क्या नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन बनने वाले हैं? इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, अब खुद चंद्रचूड़ ने इसका जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि **एनएचआरसी** चेयरमैन पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की खबरें गलत' हैं. देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश रहे चंद्रचूड़ ने कहा, ''यह सच नहीं है. फिलहाल मैं रिटायरमेंट होने के बाद की जिंदगी का आनंद ले रहा हूं. जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हो गए थे.

इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे. चयन समिति की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश या शीर्ष न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है. जस्टिस मिश्रा ने जून, 2021 में नियुक्त होने के बाद एनएचआरसी के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया. कौन करता है चयन एनएचआरसी के अध्यक्ष का चयन करने वाली समिति का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं.

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ एंजॉय कर रहा... पूर्व CJI चंद्रचूड़ ने NHRC चीफ बनाए जाने के दावों को किया खारिज

https://ndtv.in/india/supreme-court-former-cji-dy-chandrachud-dismissing-reports-being-considered-nhrc-chairperson-7295669

https://www.livehindustan.com/national/dy-chandrachud-former-cji-will-going-to-become-nhrc-chief-know-what-he-says-201734707649775.html

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, "NHRC के अध्यक्ष पद के लिए मेरे नाम की चर्चा सिर्फ एक अफवाह है. किसी ने भी मुझसे इस बारे में बात नहीं की है. मैं एक प्राइवेट सिटीजन के रूप में अपनी जिंदगी से प्यार करता हूं. फिलहाल में रिटायरमेंट के बाद की लाइफ एंजॉय कर रहा हूं."

Reported by:आशीष भार्गवdited by:अंजलि कर्मकार देश दिसंबर 20, 2024 20:36 pm IST

नई दिल्ली: भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (CJI) डी वाई चंद्रचूड़ (DY Chandrachud) ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किए जाने की खबरों को गलत करार दिया है. देश के 50वें CJI रहे जस्टिस (रिटायर्ड)डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा, "इन बातों में कोई सच्चाई नहीं है. फिलहाल मैं रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी एंजॉय कर रहा हूं." जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर हुए थे. इसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना CJI बने हैं.

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने NDTV से कहा, "NHRC के अध्यक्ष पद के लिए मेरे नाम की चर्चा सिर्फ एक अफवाह है. किसी ने भी मुझसे इस बारे में बात नहीं की है. मैं एक प्राइवेट सिटीजन के रूप में अपनी जिंदगी से प्यार करता हूं. फिलहाल में रिटायरमेंट के बाद की लाइफ एंजॉय कर रहा हूं.

1274 बेंचों का रहे हिस्सा, आखिरी दिन सुने 45 केस

जस्टिस चंद्रचूड़ 13 मई 2016 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट किए गए थे. अपने कार्यकाल में CJI चंद्रचूड़ 1274 बेंचों का हिस्सा रहे. उन्होंने कुल 612 फैसले लिखे. आखिरी दिन भी उन्होंने 45 केस की सुनवाई की.

2 साल के कार्यकाल दिए तमाम बड़े फैसले

CJI चंद्रचूड़ के 2 साल के कार्यकाल के बड़े फैसलों में आर्टिकल 370, राम जन्मभूमि मंदिर, वन रैंक-वन पेंशन, मदरसा केस, सबरीमाला मंदिर विवाद, चुनावी बॉन्ड की वैधता और CAA-NRC जैसे फैसले शामिल हैं.

CJI चंद्रचूड़ ने सुनाया पिताजी के फ्लैट वाला किस्सा, आप भी जान लीजिए क्या मिली थी नसीहत

1 जून से खाली पड़ा है NHRC के अध्यक्ष का पद

NHRC के अध्यक्ष का पद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस जस्टिस (रिटायर्ड) अरुण कुमार मिश्रा के 1 जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से खाली पड़ा है. जस्टिस मिश्रा के रिटायरमेंट के बाद NHRC की सदस्य विजया भारती सयानी इसकी कार्यवाहक अध्यक्ष बनी थीं. सूत्रों ने एजेंसी को बताया था कि 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने NHRC के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की थी.

PM के नेतृत्व वाली कमेटी करती है नियुक्ति

NHRC को नियंत्रित करने वाले कानून के अनुसार, इसके अध्यक्ष का चयन करने वाली समिति का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं. इस समिति में लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय गृह मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, राज्यसभा के उपसभापति भी सदस्य होते हैं. चयन समिति की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा भारत के पूर्व CJI या सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज को NHRC का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है. पूर्व CJI एच एल दत्तू और के जी बालाकृष्णन अतीत में मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं.